an>

Title: Regarding employing the fishermen of Konkon region as security force personnel at Sea.

श्री राहुल शेवाले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : महोदय, कोंकण की समुद्री सीमा लगभग 720 किलोमीटर है, परन्तु समुद्री सीमा की सुरक्षा के साधन पर्याप्त नहीं हैं। 26/11 को समुद्र की सीमा से ही आतंकवादियों ने हमला किया था, परन्तु उसके बाद भी देखने में आया है कि पर्याप्त भागों में समुद्री रक्षक तैनात नहीं किए गए हैं। समुद्र के किनारे बसे शहरों, गांवों जैसे पालघर, ठाणे, मुम्बई, रायगढ़, रत्नागिरी, सिन्धुदुर्ग के जिलों में रहने वाले मछुआरों, जिन्हें महाराÂट्र में कोली कहते हैं, को समुद्री सीमा और उसमें होने वाली हलचल का बहुत अच्छा ज्ञान रहता है। इनमें से शिक्षित मछुआरों को समुद्री सीमा सुरक्षा की ट्रेनिंग देकर इस लायक बनाया जा सकता है, जिससे वे समुद्र के कार्य के लिए बहुत उपयोगी हो सकते हैं। सरकार के फिशरी विभाग, गृह विभाग, कोस्ट गार्ड सीमा सुरक्षा के लिए तैनात रहते हैं। परन्तु इनमें कोस्ट गार्ड को छोड़कर अन्य विभागों के लोगों को तैरना या नाव चलाना भी नहीं आता है और समुद्र के बारे में उनको अधिक जानकारी भी नहीं होती है। अतः मेरा सुझाव है कि इन शिक्षित मछुआरों को समुद्री सुरक्षा की ट्रेनिंग के लिए योजना बनायी जाए और उन्हें समुद्री सीमा सुरक्षा बल में सम्मिलित करके उन्हें समुद्री सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी जाए, जिसके लिए उन्हें अलाउंस भी दिया जाए। इससे बेरोजगारी भी कम होगी और समुद्री सुरक्षा के साथ-साथ तस्करी पर भी लगाम कसी जा सकेगी।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Arvind Sawant, Shri Vinayak Bhaurao Raut and Dr. Shrikant Eknath Shinde is permitted to associate with the issue raised by Shri Rahul Shewale.